05/02/2021

DAV यूनाइटेड पर्व के अवसर पर संबोधन

DAV परिवार के सदस्यों के साथ DAV यूनाइटेड पर्व में सम्मिलित होकर मुझे अत्यंत प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में DAV संस्थान का योगदान अद्वितीय है।

DAV ने जिस शिक्षा आंदोलन की शुरुआत 135 वर्ष पहले की थी आज उसका प्रसार 21 राज्यों में 900 से भी अधिक कैंपस में हो चुका है। आपके संस्थानों के अंदर 20 लाख से भी अधिक छात्र शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

यदि हम इतिहास की ओर जाएँ तो पाएंगे कि वर्ष 1886 में DAV सोसाइटी की स्थापना महर्षि दयानन्द सरस्वती के देश की गौरवशाली संस्कृति और सभ्यता से राष्ट्र को पुनः परिचित कराने के विचारों के आधार पर की गयी थी। उसी वर्ष लाहौर में पहला DAV स्कूल आरम्भ किया गया था।

महर्षि दयानन्द सरस्वती चरित्र निर्माण, मानसिक विकास एवं वैज्ञानिक चिंतन के बडे हिमायती थे। ज्ञानवान समाज के निर्माण के लिए उन्होंने वेदों के अध्ययन को आवश्यक समझा।

आज DAV कॉलेज मैनेजमेंट कमिटी शिक्षा के क्षेत्र में देश के सबसे बड़े गैर-सरकारी संगठनों में एक है।

शिक्षा के क्षेत्र में अपने अभिनव प्रयासों और नवाचारों के माध्यम से आपने राष्ट्र निर्माण के पावन कार्य में अपना वृहत् योगदान दिया है।

डीएवी की शिक्षा पद्धति में विरासत और आधुनिकता का, अंग्रेजी और हिंदी का, भारतीय ज्ञान परंपरा और पाश्चात्य वैज्ञानिक दृष्टिकोण का सुंदर सहयोग है। इस पद्धति ने देश भर में अनेक पीढियों को ज्ञान का प्रकाश दिया है उनके विचारों और संकल्पों को दिशा दी है।

DAV की शिक्षा पद्धति में विरासत और आधुनिकता का, अंग्रेजी और हिंदी का, भारतीय ज्ञान परंपरा और पाश्चात्य वैज्ञानिक दृष्टिकोण का सुंदर संयोग है। इस पद्धति ने देश भर में अनेक पीढ़ियों को ज्ञान का प्रकाश दिया है, उनके विचारों और संकल्पों को दिशा दी है। इसी शिक्षा पद्धति ने यशस्वी पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जैसा प्रखर व्यक्तित्व और प्रख्यात साहित्यकार डागोपालदास नीरज . जैसे व्यक्ति देश को दिए।

आज जहां ज्यादातर शैक्षिक संस्थान शिक्षा में पश्चिमी प्रणाली की अंधी नक़ल कर रहे हैं वहीं DAV भारतीय शिक्षा पद्धति के माध्यम से राष्ट्र के निर्माण का कार्य कर रहा है। यह स्वामी दयानन्द सरस्वती के आध्यात्मिक एवं सामाजिक विज़न तथा मार्गदर्शन के कारण ही संभव हो पाया है।

महर्षि दयानन्द सरस्वती के लिए विद्यालय शिक्षा के मंदिर के समान थे जहां विद्यार्थियों को पुस्तकों के ज्ञान के साथ-साथ नैतिक मूल्यों और आदर्शों की शिक्षा भी दी जानी चाहिए ताकि वे समाज के समर्थ सदस्य और राष्ट्र के सक्षम नागरिक बन सकें।

स्वामी जी का सपना एक शक्तिशाली और जागृत भारत के निर्माण का था। उनका स्पष्ट विचार था कि शिक्षा और साक्षरता के माध्यम से ही एक गौरवशाली राष्ट्र का निर्माण संभव है। लाहौर DAV के पहले प्रधानाचार्य महात्मा हंसराज ने उनके विचारों और विज़न को साकार करने का कार्य किया था।

ये हमारे राष्ट्र के आधुनिक मनीषी हैं और हमारे लिए वंदनीय हैं। स्वामीजी ने अपने शैक्षिक संस्थानों के माध्यम से समाज में व्याप्त कुरीतियों, अज्ञान, अन्याय और असमानता के विरुद्ध आजीवन संघर्ष किया। DAV विद्यालय उनकी इसी विचारधारा से अनुप्राणित है।

मुझे प्रसन्नता है कि आपकी संस्था ने विश्व को भारतीय मूल्यों और पद्धति पर आधारित शिक्षा प्रणाली का उपहार दिया है। आपके संस्थान अपनी उत्कृष्ट शैक्षिक गुणवत्ता तथा मूल्यों पर आधारित शिक्षा के लिए जाने जाते हैं।

महात्मा हंसराज, ज्ञान चंद जी, लाला साईं दास और पंडित मेहर चन्द जैसे व्यक्तियों ने वैदिक मूल्यों के साथ आधुनिक शिक्षा प्रणाली के विकास के लिए अमूल्य योगदान दिया है। भारतीय समाज और शिक्षा प्रणाली इन महापुरुषों का सदैव ऋणी रहेगी।

स्वामीजी के आदर्शों और विचारधारा से प्रेरित होकर नए राष्ट्र के निर्माण के उद्देश्य से नयी शिक्षा नीति, 2020 का निर्माण किया गया है। नयी शिक्षा नीति में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का ध्यान रखा गया है।

शिक्षा संस्थानों के बीच सहयोग और समन्वय को प्रोत्साहन देने के लिए इस वर्ष के बजट में 9 शिक्षा Cluster बनाये गए हैं जो उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अनुसन्धान, रिसोर्स शेयरिंग और मानव संसाधन को बढ़ावा देंगे।

हमारे प्राचीन ज्ञानविज्ञान को यथा-संभव आधुनिक शिक्षा प्रणाली में समाहित करने के उद्देश्य से बजट में भारतीय शिक्षा प्रणाली के लिए भी प्रावधान किए गए हैं।

मुझे पूरा विश्वास है कि इन उपायों से हमारी प्राचीन विरासत का आधुनिक सन्दर्भ में उपयोग किया जा सकेगा।

हमारा देश एक युवा देश है। हमारी 65 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या की आयु 35 वर्ष से कम है। हमारी सरकार इस युवा ऊर्जा और शक्ति से देश के नवनिर्माण का कार्य कर रही है।

हमारे युवा मित्रों का दायित्व है कि वे देश में लोकतंत्र को सशक्त करने के लिए अग्रणी भूमिका निभाएं। आप किसी भी क्षेत्र में समर्पण और प्रतिबद्धता से कार्य कर के देश सेवा कर सकते हैं, देश की जनता की अपेक्षाएं और आकांक्षाएं पूर्ण कर सकते हैं।

परन्तु यह तभी संभव है जब आपकी शिक्षा उत्कृष्ट हो एवं आपके देश की आवश्यकताओं के अनुरूप हो।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि DAV संस्था नए राष्ट्र के निर्माण के लिए प्रतिबद्धता से कार्य करती रहेगी और देश के भविष्य को सशक्त करने का कार्य करती रहेगी।

मैं आपके इस समारोह की सफलता के लिए अपनी शुभकामनाएं देता हूँ।

आप सबको गणतंत्र दिवस और नव वर्ष की बहुत बहुत शुभकामनाएं। धन्यवाद और जय हिन्द।